पाठ 12 - इसे जगाओ

कवि - भवानी प्रसाद मिश्र

आत्मीय - घनिष्ठ; आत्मिक रूप से जुदा हुआ

कलरव - चहचहाना

सक्रिय - जागरूक

इर्द-गिर्द - आसपास

हड़बड़ाहट - घबराना

पवन - वायु

बेखबर - अंजान

वक्त - समय

बेवक्त - असमय

अवसर - बीत जाने पर

पराजय - हारना

क्षिप्र - तेज सजग जागा हुआ

चौकन्ना - सावधान